

**Bhaktamandar Mantra With Shri Baglamukhi  
Sahasranamavali**

**भक्तमंदार सम्पुटित श्रीबगलामुखी सहस्रनामावलि**



**SHRI RAJ VERMA JI**

**Contact- +91-9897507933, +91-7500292413(WhatsApp No.)**

**Email- [mahakalshakti@gmail.com](mailto:mahakalshakti@gmail.com)**

Shri Raj Verma ji  
Mob +91-9897507933,+91-7500292413  
Email - mahakalshakti@gmail.com

**For more info visit---**

[www.scribd.com/mahakalshakti](http://www.scribd.com/mahakalshakti)

[www.gurudevraajverma.com](http://www.gurudevraajverma.com)

ऐश्वर्य, ज्ञान, कीर्ति, लक्ष्मी, वैराग्य और धर्म- ये छः भग जिनमें नित्य निवास करते हैं, उन्हें भगवती कहते हैं। अर्थात् भगवती केवल स्तम्भन, शत्रुसंहार अथवा राजबंधन हेतु ही प्रभावशाली महाविद्या नहीं हैं, अपितु लक्ष्मी, यश, ऐश्वर्य, कीर्ति, प्रतिष्ठा एवं पदवृद्धि प्रदान करने वाली महाविद्या भी हैं। भगवती का भक्तमंदार मंत्र न केवल धनधान्य प्रदान करता है, अपितु सर्वप्रकार से अपने जापक को सुरक्षित कर दुष्ट शत्रुओं को दण्डित भी करता है। लक्ष्मीकारक उपचारों एवं विधि सहित भक्तमंदारयुक्त सहस्रनामावलि का पाठ निर्धन मनुष्य के लिये संजीवन विद्या है। उचित मार्गदर्शन प्राप्त कर नित्य त्रिकाल संध्या इसका पाठ करने से मनुष्य की सर्व प्रकार से उन्नति होती है।

Shri Raj Verma ji

Mob +91-9897507933,+91-7500292413

Email - mahakalshakti@gmail.com

**विनियोगः-** ॐ अस्य श्रीबगलामुखीसहस्रनामस्तोत्रस्य श्रीभगवान् सदाशिव ऋषिः, अनुष्टुप् छन्दः, श्रीजगद्वश्यकरी पीताम्बरादेवता, मम सर्वाभीष्ट सिद्ध्यर्थे श्रीबगला सहस्रनाम एवं भक्तमंदारमंत्र जपे विनियोगः ।

**ऋष्यादिन्यास-** श्रीभगवान् सदाशिवऋषये नमः शिरसि । अनुष्टुप् छन्दसे नमः मुखे । श्रीजगद्वश्यकरी पीताम्बरादेवतायै नमः हृदि । सर्वाभीष्ट सिद्ध्यर्थे श्रीबगलासहस्रनाम जपे विनियोगाय नमः सर्वांगे ।

**ध्यानम्-** पीताम्बरपरीधानां पीनोन्नतपयोधराम् । जटामुकुट शोभाढ्यां पीतभूमि सुखासनाम् ॥ शत्रोर्जिह्वां मुद्गरं च विभ्रतीं परमां कलाम् । सर्वागमपुराणेषु विख्यातां भुवनत्रये ॥ सृष्टिस्थिति विनाशानामादिभूतां महेश्वरीम् । गोप्यां सर्वप्रयत्नेन शृणु तां कथयामि ते ॥ जगद्विध्वसिनीं देवीमजराऽमरकारिणीम् । तां नमामि महामायां महदैश्वर्यदायिनीम् ॥

## सहस्रनामावली-

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मास्त्रायै नमः ।

Shri Raj Verma ji  
Mob +91-9897507933,+91-7500292413  
Email - mahakalshakti@gmail.com

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मविद्ययायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्ममायायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सनातन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मेश्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मकैवल्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
बगलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मचारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नित्यानन्दायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नित्यसिद्धायै नमः ।। 10 ।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नित्यरूपायै नमः ।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
निरामयायै नमः ।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सन्धारिण्यै नमः ।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महामायायै नमः ।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कटाक्षक्षेम कारिण्यै नमः ।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कमलायै नमः ।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विमलायै नमः ।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नीलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं रत्न  
कान्तिर्गुणाश्रितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामप्रियायै नमः। 20।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामरतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामस्वरूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मंगलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विजयायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जयायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वमंगल कारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामनीयै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
काम्यायै नमः। 30।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामुकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामचारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामरतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामस्वरूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामाख्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामबीजस्थायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामपीठ निवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामदायै नमः। 40।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामहायै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
काल्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कपाल्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
करालिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कंसार्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कमलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कैलासेश्वर वल्लभायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कात्यायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
केशवायै नमः। 50।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
करुणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामकेलिभुक्त्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कीर्त्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कृत्तिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
काशिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मथुरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शिवायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कालाक्ष्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कालिकायै नमः। 60।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
काल्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धवलानन सुन्दर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
खेचर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
खमूर्त्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्षुद्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्षुद्रक्षुधायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
खड्गहस्तायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
खड्गरतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
खड्गिन्यै नमः। 70।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
खर्परप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गंगायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं गौर्यै  
नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गामिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गीतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गोत्रविवर्द्धिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गोधरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गोकरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गोधायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गन्धर्व पुरवासिन्यै नमः।४०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गन्धर्वायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गन्धर्वकलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गोपिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गरुडासनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गोविन्द भावायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गोविन्दायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गान्धार्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गन्धमादिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गौरांगयै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गोपिकामूर्तयै नमः।१०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गोप्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं गोष्ठ  
निवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गन्धायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गजेन्द्रगायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मान्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गदाधर प्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ग्रहायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
घोरघोरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
घोररूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
घनश्रोण्यै नमः।।००।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
घनप्रभायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दैत्येन्द्र प्रबलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
घण्टावादिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
घोरनिस्वनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
डाकिन्यै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उपेन्द्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उर्वश्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उरगासनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उत्तमायै नमः।। 1 1 0 ।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उन्नतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उन्नायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उत्तमस्थान निवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चामुण्डायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मुण्डिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चण्ड्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चण्डदर्पहर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उग्रचण्डायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चण्डचण्डायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चण्डदैत्य विनाशिन्यै नमः।। 20 ।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चण्डरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
प्रचण्डायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चण्डाचण्ड शरीरिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चर्तुभुजायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
प्रचण्डायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चराचरनिवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्षत्रप्रायश्शिरोवाहायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
छलाछलतरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
छलियै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्षत्ररूपायै नमः।। 30 ।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्षत्रधरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्षत्रियक्षय कारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जयायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जयदुर्गायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जयन्त्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जयदापरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जयिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ज्योत्स्नायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जटाधर प्रियायै नमः। 140।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जितेन्द्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जितक्रोधायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जयमानायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जनेश्वर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जितमृतवे नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जरातीतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जाहनव्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जनकात्मजायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झंकारायै नमः।। 50 ।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झंझर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झण्टायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झंकार्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झकशोभिन्त्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झखायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झमेशायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झंकार्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
योनिकल्याण दायिन्त्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झर्झरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झमुर्यै नमः।। 60 ।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झारायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झरतरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झंझायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झमेतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झंकार्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
झणाकल्याण दायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ईमनायै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मानस्यै नमः।। 70।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चिन्त्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ईमुनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शंकरप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
टंकार्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
टिटिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
टीकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
टंकिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
टवर्गकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
टापायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
टोपायै नमः।। १८०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
टपतिष्टमन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
टमनप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
टकारधारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ठीकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ठंकर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ठिकरप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ठेकठासायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ठकरत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ठामिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ठमनप्रियायै नमः। 190।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
डारहायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
डाकिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
डारायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
डामरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
डामरप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
डखिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
डड्युक्तायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
डमरुकर वल्लभायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ढक्कायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं ढक्यै  
नमः। 200।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ढक्कनादायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ढेलशब्द प्रबोधिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ढामिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ढामनप्रीतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ढगतंत्र प्रकाशिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अनेक रूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अम्बायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अणिमासिद्धि दायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
आमंत्रिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अणुकर्णै नमः। 210।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अणुमद्भानु संस्थितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तारायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तन्त्रावत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तंत्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तत्त्वरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तपस्विन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तरंगिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तत्त्वपरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तान्त्रिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तंत्रविग्रहायै नमः। 220।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तपोरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तत्त्वदात्र्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तपःप्रीतीप्रघर्षिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तंत्रयंत्रार्चन परायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तलातल निवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तल्पदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्वल्पदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
काम्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्थिरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्थिरतरायै नमः। 230।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्थित्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्थाणुप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्थितिपरायै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
लतास्थान प्रदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दिगम्बरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दयारूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दावाग्नि दमन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दुर्गायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दुर्गापरायै नमः। 240।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं देव्यै  
नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दुष्टदैत्य विनाशिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दमनप्रमदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दैत्यदयादान परायिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दुर्गातिनाशिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दान्तायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दम्भिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दम्भवर्जितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दिगम्बर प्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दम्भायै नमः। 250।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दैत्यदम्भ विदारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दमनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दशनसौन्दर्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दानवेन्द्र विनाशिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दयाधरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दमन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दर्भपत्र विलासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धरण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धात्र्यै नमः। 260।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धराधरप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धराधर सुतादेव्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सुधर्मायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धर्मचारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धर्मज्ञायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धवलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धूलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धनदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धनवर्द्धिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धीरायै नमः। 270।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अधीरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धीरतरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धीरसिद्धि प्रदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धन्वन्तरी धरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धीरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ध्येयायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ध्यानस्वरूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नारायण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नारसिंह्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नित्यानन्दायै नमः। 280।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नरोत्तमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नक्तायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नक्तवत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नित्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नीलजीमूत सन्निभायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नीलांगयै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नीलवस्त्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नीलपर्वत वासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सुनील पुष्पखचितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नीलजम्बु समप्रभायै नमः।290।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नित्याख्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षोडशीविद्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नित्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नित्य सुखावहायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नर्मदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नन्दनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नन्दायै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नन्दाऽनन्द विवर्द्धिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
यशोदानन्द तनयायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नन्दनोद्यान वासिन्यै नमः। 300।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नागान्तकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नागवृद्धायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नागपत्न्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नागिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नमिताशेष जनतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नमकारवत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नमस्कारायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पीताम्बरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पार्वत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पीताम्बर विभूषितायै नमः। 310।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पीतामालाम्बरधरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पीताभायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पिंगमूर्द्धजायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पीतपुष्पार्चनरतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पीतपुष्प समर्चितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परप्रभायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पितृपतयै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परसैन्य विनाशिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परतंत्रायै नमः। 320।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परमंत्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परात्परायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पराविद्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परासिद्धयै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परास्थान प्रदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पुष्पायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पुष्पवत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नित्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पुष्पमाला विभूषितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पुरातनायै नमः।३३०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पूर्वपरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परसिद्धि प्रदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पीतानितम्बिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पीतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पीनोन्नतपयस्तन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
प्रेमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
प्रमध्यमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शेषायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पद्मपत्र विलासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पद्मावत्यै नमः। 340।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पद्मनेत्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पद्मायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पद्ममुख्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पद्मासनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पद्मप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पद्मराग स्वरूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पावन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पालिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पात्र्यै नमः। 350।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वरदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शिवायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
प्रेतसंस्थायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परानन्दायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परब्रह्म स्वरूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जिनेश्वर प्रियादेव्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पशुक्तरत प्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पशुमांस प्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अपर्णाय नमः। 360।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परामृत परायणायै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पाशिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पाशिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पशुघ्न्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पशुभाषिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
फुल्लारविन्द वदनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
फुल्लोत्पलशरीरिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परानन्दप्रदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वीणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पशुपाश विनाशिन्यै नमः। 370।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
फुत्कारायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
फुत्परायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
फेण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
फुल्लेन्दी वरलोचनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
फट्मंत्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्फटिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्वाहायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्फोटायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
फट्स्वरूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्फटिकायै नमः।३४०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
घुटिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
घोरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्फटिकाद्रि स्वरूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वरांगनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वरधरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वाराह्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वासुक्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
बिन्दुस्थायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
बिन्दुन्यै नमः। 390।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वाण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
बिन्दुचक्र निवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विद्याधर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विशालाक्ष्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
काशीवासिजन प्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वेदविद्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विरूपाक्ष्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विश्वयुगायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
बहुरुपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मशक्त्यै नमः। 400।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विष्णुशक्तये नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पंचवक्त्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शिवप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वैकुण्ठवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं दैव्यै  
नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वैकुण्ठपददायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विष्णुरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परब्रह्ममहेश्वर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भवप्रियायै नमः। 410।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भवोद्भावायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भवरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भवोत्तमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भवपारायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भवाधारायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भाग्यवत्प्रियकारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भद्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सुभद्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भवदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुम्भदैत्यविनाशिन्यै नमः। 420।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भवान्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भैरव्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भीमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भद्रकाल्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सुभद्रिकायै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगमानायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगोत्तमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगप्रियायै नमः। 430।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगवत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगवासायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगाकरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगसृष्टायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भाग्यवत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगलिंगप्रियादेव्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगलिंगपरायणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगलिंगस्वरूपायै नमः। 440 ।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगलिंगविनोदिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगलिंगरतादेव्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगलिंगनिवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगमालायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगकलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगाधारायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगाम्बरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगवेगायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगाभूषायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगेन्द्रायै नमः। 450।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भाग्यरूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगलिंगासम्भोगायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगलिंगासवावहायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगलिंगसमाधुर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगलिंगनिवेशितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगलिंगसुपूज्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगलिंगसमन्वितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगलिंगविरक्तायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भगलिंगसमावृतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
माधव्यै नमः। 460।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
माधवीमान्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मधुरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मधुमानिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मन्दहासायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महामायायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मोहिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महदुत्तमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महामोहायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महाविद्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महाघोरायै नमः। 470।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महारस्मृत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मनस्विन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मानवत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मोदिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मधुराननायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मेनकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मानिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मान्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मणिरत्नविभूषतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मल्लिकायै नमः। 480।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मौलिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मालायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मालाधरमदोत्तमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मदनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सुन्दर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मेधायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मधुमत्तायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मधुप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मत्तहंसायै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
समोन्नासायै नमः। 490।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मत्तसिंहमहासन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महेन्द्रवल्लभायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भीमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मौल्यंचायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मिथुनात्मजायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महाकाल्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महाकाल्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मनोबुद्ध्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महोत्कटायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
माहेश्वर्यै नमः। 500।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महामायायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महिषासुरघातिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मधुरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कीर्तिमत्तायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मत्तमातंगगामिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मदप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मांसरतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मत्तयुक्कामकारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मैथुन्यवल्लभादेव्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महानन्दायै नमः। 510।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महोत्सवायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मरीचिमयै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं रत्यै  
नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मायायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मनोबुद्धिप्रदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मोहायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मोक्षायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महालक्ष्म्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महत्पदप्रदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
यमरूपायै नमः। 520।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
यमुनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जयन्त्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जयप्रदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
याम्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
यमवत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
युद्धायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
यदुकुलविवर्द्धिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रामायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रामपत्न्यै नमः।530।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रत्नमालायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रतिप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रत्नसिंहासनस्थायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रत्नाभरणमण्डितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रमण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रमणीयायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रत्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रसपरायणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रतानन्दायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रतवत्यै नमः। 540।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रघूणांकुलवर्द्धिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रमणारिपरिभ्राज्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रैधायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
राधिकरत्नजायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं राव्यै  
नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रसस्वरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रात्रिराजसुखावहायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ऋतुजदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ऋतुदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ऋद्धायै नमः। 550।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ऋतुरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ऋतुप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रक्तप्रियायै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रक्तवत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रंगिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रक्तदन्तिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
लक्ष्म्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
लज्जायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
लवित्कायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
लीलालग्न्यायै नमः। 560।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
निताक्षिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
लीलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
लीलावत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
लोमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हर्षह्लादनपट्टिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मस्थितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वेदवन्दितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मोद्भवायै नमः। 1570।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मकलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्माण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मबोधिन्त्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वेदांगनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वेदरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वनितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विनतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वसायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
बालायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
युवत्यै नमः। 580।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वृद्धायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मकर्मपरायिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विन्ध्यस्थायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विन्ध्यवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विन्दुयुगायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विन्दुभूषणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विद्यावत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वेदधार्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
व्यापिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
बर्हिणीकलायै नमः। 590।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वामाचारप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वहन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वामाचारपरायणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वामाचाररतादेव्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वामदेवप्रियोत्तमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
बुद्धेन्द्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विबुद्धायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
बुद्धाचरणमालिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
बन्धमोचनकर्त्र्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वारुण्यै नमः। 600।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वरुणालयायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शिवायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शिवप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुद्धायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुद्धांगयै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुक्लवर्णिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुक्लपुष्पप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुक्लायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शिवधर्मपरायणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुक्लस्थायै नमः। 610।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुक्लिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुक्लरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुक्लपशुप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुक्रस्थायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुक्रिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुक्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुक्ररूपायै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुक्रिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षण्मुख्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षडंगायै नमः। 620।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षट्चक्रविनिवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षडग्रन्थियुक्तायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षोढायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षण्मातायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षडात्मिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षडंगयुवत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षडंगप्रकृतिर्वश्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षडाननायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षडरसायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षष्ट्यै नमः। 630।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षष्टेश्वर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
प्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षडंगस्वादायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षोडशै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षोढान्यासस्वरूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षट्चक्रभेदनकर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षट्चक्रस्थस्वरूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षोडशस्वरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षण्मुख्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षड्दान्वितायै नमः। 640।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सनकादिस्वरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शिवधर्मपरायणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सिद्धायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सप्तस्वर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुद्धायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सुरमातायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्वरोत्तमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सिद्धविद्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सिद्धमातायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सिद्धाऽसिद्धस्वरूपिण्यै नमः। 650।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हरिप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हारायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हारयुक्त्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हरिरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हरिधरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हरिणाक्ष्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हरिप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हेतुप्रियायै नमः। 660।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हेतुरतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हिताऽहितस्वरूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्षमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्षमावत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्षीतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्षुद्रघण्टाविभूषणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्षयंकर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्षितिशायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्षीणमध्यसुशोभनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अजानन्तायै नमः। 670।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अपणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अहल्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शेषशायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्वान्तर्गतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
साधूनामन्तराऽनन्तरूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अमलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अद्भ्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अनन्तगुणशालिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्वविद्यायै नमः। 680।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विद्यकाविद्यायै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विद्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अरविन्दलोचनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अपराजितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जातवेदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अजपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अमरावत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अल्पायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्वल्पायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अनल्पाद्यायै नमः।690।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अणिमा सिद्धिदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अष्टसिद्धिप्रदादेव्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रूपलक्षणसंयुतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अरविन्दमुख्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भोगसौख्यप्रदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
आदिविद्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
आदिभूतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
आदिसिद्धिप्रदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सीत्काररूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वासनविभूषितायै नमः। 700।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
इन्द्रप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
इन्द्राण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
इन्द्रप्रस्थनिवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
इन्द्राक्ष्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
इन्द्रवज्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
इन्द्रवद्योक्षिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ईलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामनिवासायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ईश्वरीश्वरवल्लभायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जनन्यै नमः। 710।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ईश्वर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दीनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भेदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ईश्वरकर्मकृतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कात्यायन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ऊर्ध्वायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मीनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उत्तरवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उमापतिप्रियायै नमः। 720।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शिवायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ओंकार रूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उरगेन्द्रशिरोरत्नायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उरगोरगवल्लभायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उद्यानवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मालाप्रशस्तमणिभूषणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ऊर्ध्वदन्तोत्तमांग्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उत्तमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ऊर्ध्वकेशिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उमासिद्धिप्रदायायै नमः। 730।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उरगासनसंस्थितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ऋषिपुत्र्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ऋषिच्छन्दायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ऋद्धिसिद्धिप्रदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उत्सवोत्सवसीमान्तायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गुणान्वितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
एलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
एकारविद्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
एणीविद्याधरायै नमः। 740।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ॐकारवलयोपेतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ॐकारपरमाकलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वदवदवाण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ॐकाराक्षरमण्डितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ऐन्द्र्यै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कुलिशहस्तायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
लोकपरवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कारमध्यबीजायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नमोरूपधारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परब्रह्मस्वरूपायै नमः। 750।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अंशुकांशुकवल्लभायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ॐकारायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं अः  
फट्मंत्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अक्षाक्षरविभूषितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अमन्त्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मन्त्ररूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पदशोभासमन्वितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
प्रणवोकाररूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
प्रणवोच्चारभाव्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ह्रींकाररूपायै नमः। 760।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ह्रींकार्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वाग्बीजाक्षरभूषणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हल्लेखायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सिद्धियोगायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हृतपद्मासनसंस्थितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
बीजाख्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नेत्रहृदयायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं ह्रीं  
बीजायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भुवनेश्वर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं क्लीं  
कामराजायै नमः।770।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विलन्नायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चतुर्वर्गफलप्रदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं क्लीं  
क्लीं क्लीं रूपिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं क्रीं  
क्रीं क्रीं नामधारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कमलाशक्तिबीजायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पाशांकुशविभूषितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
श्रीश्रीकारायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महाविद्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
श्रद्धायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
श्रद्धावत्यै नमः। 780।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं ॐ  
ऐं क्लीं ह्रीं श्रीं परायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्लींकारी परमाकलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं ह्रीं  
क्लीं श्रींकारस्वरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वकर्मफलप्रदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वाढ्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वदेव्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वसिद्धिप्रदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वज्ञायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वशक्त्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वाग्विभूतिप्रदायिन्यै नमः। 790।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वमोक्षप्रदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वभोगप्रदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गुणेन्द्रवल्लभायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वामायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वशक्तिप्रदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वानन्दमय्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वचक्रेश्वर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वसिद्धेश्वर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वप्रियंकर्यै नमः। 800।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वसौख्यप्रदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वानन्दप्रदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मानन्दप्रदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मनोवांछितदात्र्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मनोबुद्धिसमन्वितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अकारादिक्षकारान्तायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दुर्गायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दुर्गतिनाशिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पद्मनेत्रायै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सुनेत्रायै नमः।८१०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्वधायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्वाहायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वषट्कार्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्ववर्गायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
देववर्गायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तवर्गायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
समन्वितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अन्तस्थायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वेश्मरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नवदुर्गायै नमः। 820।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नरोत्तमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तत्त्वसिद्धिप्रदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नीलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नीलपताकिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नित्यरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
निशाकर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्तम्भिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मोहिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वशंकर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उच्चाट्यै नमः। 830।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उन्माद्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
आकर्षिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मातंग्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मधुमत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अणिमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
लघिमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सिद्धायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मोक्षप्रदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नित्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नित्यानन्दप्रदायिन्यै नमः। 840।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रक्तांग्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रक्तनेत्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रक्तचन्दनभूषितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्वल्पसिद्धयै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सुकल्पायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दिव्याचरणशुक्रभायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
संक्रान्त्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वविद्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सस्यवासरभूषितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
प्रथमायै नमः। 850।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
द्वितीयायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
तृतीयायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चतुर्थ्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पंचम्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
षष्ठ्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विशुद्धायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सप्तम्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अष्टम्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नवम्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दशम्यै नमः। 1860।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
एकादश्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
द्वादश्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
त्रयोदश्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चतुर्दश्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पूर्णिमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अमावस्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पूर्वायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उत्तरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परिपूर्णिमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
खड्गिन्यै नमः। 870।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चक्रिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
घोरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गदिन्यै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शूलिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भुशुण्ड्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चापिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
बाणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वायुद्धविभूषणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कुलेश्वर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कुलवत्यै नमः। 880।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कुलाचारपरायणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कुलकर्मसुरक्तायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कुलाचारप्रवर्द्धिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कीर्त्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं श्रियै  
नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रामायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धर्मायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्षमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं धृत्यै  
नमः।१८९०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्मृत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मेधायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कल्पवृक्षनिवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उग्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उग्रप्रभायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं गौर्यै  
नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वेदविद्याविबोधिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
साध्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सिद्धायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सुसिद्धायै नमः।१००।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विप्ररूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
काल्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कराल्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
काल्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कालदैत्यविनाशिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कौलिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कालिक्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं क  
च ट त प वर्णिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जयिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जययुक्तायै नमः। 910।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जयदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जृम्भिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
स्राविण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
द्राविण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भेरुण्डायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विन्ध्यवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ज्योतिर्भूतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जयदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ज्वालामालासमाकुलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भिन्न अभिन्न प्रकाशायै नमः। 920।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विभिन्नायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भिन्नरूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अश्विन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भरण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ  
नक्षत्रसम्भवानिलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ काश्यप्यै  
नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ विनतायै  
नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ख्यातायै  
नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ दितिजायै  
नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ दित्यै  
नमः।१३०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ हर्षी  
कीर्त्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ हर्षी  
कामप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ हर्षी  
कीर्त्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ हर्षी  
कीर्तिविवर्द्धिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ हर्षी  
सद्योमांससमालब्धायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ हर्षी  
सद्यश्छिन्नासिशंकरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ हर्षी  
दक्षिणायै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उत्तरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पूर्वायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पश्चिमायै नमः।१९४०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अग्नयै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नैऋत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वायव्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ईशान्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ऊर्ध्वागायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अधोगतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
श्वेतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कृष्णायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
रक्तायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पीतकायै नमः। 950।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ॐ चतुर्वर्गायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चतुर्वर्णायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चतुर्मात्रात्मिकाक्षरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चतुर्मुख्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चतुर्वेदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चतुर्विद्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चतुर्मुखायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चतुर्गणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चतुर्मातायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चतुर्वर्गफलप्रदायै नमः। 1960।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धात्र्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विधात्र्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मिथुनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं नार्यै  
नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नायकवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सुरामुदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मुदवत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मोदिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मेनकात्मजायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ऊर्ध्वकाल्यै नमः।१७७०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सिद्धकाल्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दक्षिणा नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ कालिकायै  
नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शिवायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नील्या नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सरस्वत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
बगलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
छिन्नमस्तकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वेश्वर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सिद्धविद्यायै नमः।१९८०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परमदेवतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हिंगुलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हिंगुलांग्घ्र्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हिंगुलाधरवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हिंगुलोत्तमवर्णाभायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हिंगुलाभरणायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जाग्रत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जगन्मातायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जगदीश्वरवल्लभायै नमः। 1990।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जर्नादनप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जययुक्तायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जयप्रदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जगदानन्दकर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जगदाह्लादकारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ज्ञानदानकर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
यज्ञायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जानक्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जनकप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जयन्त्यै नमः।।०००।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
जयदायै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
नित्यायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ज्वलदग्निसमप्रभायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विद्याधरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
बिम्बोष्ठ्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कैलासाचलवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विभवायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वडवाग्न्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
अग्निहोत्रफलप्रदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मन्त्ररूपायै नमः।।०१०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परादेव्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गुरुरूपिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गयायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गंगायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
गोमत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
प्रभासायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पुष्कर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विन्ध्याचलरतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विन्ध्याचलनिवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं बहू  
नमः।। 020।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ बहुसुन्दर्यै  
नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कंसासुरविनाशिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शूलिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शूलहस्तायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वज्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वज्रहरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
दुर्गायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शिवायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शान्तिकर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्माण्यै नमः।। 030।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्राह्मणप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वलोप्रणेत्र्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वरोगहरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मंगलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शोभनायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शुद्धायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
निष्कलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परमाकलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विश्वेश्वर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विश्वमातायै नमः।। 040।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ललितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वसिताननायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सदाशिवायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
उमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
क्षेमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चण्डिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चण्डविक्रमायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वदेवमयै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वागमभयापहायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ब्रह्मेशविष्णुनमितायै नमः।।०५०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वकल्याणकारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
योगिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
योगमातायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
योगीन्द्रहृदय स्थितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
योगिजायायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
योगवत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
योगीन्द्रानन्ददायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
इन्द्रादिनमितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ईश्वर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
ईश्वरप्रियायै नमः।।०६०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विशुद्धिदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भयहरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भक्तद्वेषिभयंकर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भववेषायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामिन्यै नमः।



श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भेरुण्डायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
भयकारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
बलभद्रप्रियाकारायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
संसारार्णवतारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पंचभूतायै नमः।।०७०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वभूतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विभूतिभूतिधारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सिंहवाहायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महामोहायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मोहपाशविनाशिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मन्दुरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मदिरायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मुद्रायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
मुदामुद्गरधारिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सावित्र्यै नमः।। 080।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महादेव्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परप्रियनिनायिकायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
यमदूत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
पिंगाक्ष्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
वैष्णव्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
शंकर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चन्द्रप्रियायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चन्द्ररतायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चन्द्रनारण्यवासिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चन्द्रनेन्द्रसमायुक्तायै नमः।।०१०।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
चण्डदैत्यविनाशिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वेश्वर्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
यक्षिण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
किरात्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
राक्षस्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महाभोगवतीदेव्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महामोक्षप्रदायिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विश्वहन्त्र्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विश्वरूपायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
विश्वसंहारकारिण्यै नमः।।।००।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धात्र्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सर्वलोकानां हितकारण्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कामिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
कमलायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सूक्ष्मदायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
धात्र्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
हरविनाशिन्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सुरेन्द्रपूजितायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
सिद्धायै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
महातेजोवत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
परारूपवत्यै नमः।

श्रीं ह्रीं ऐं भगवती बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा- ॐ ह्रीं  
त्रैलोक्याकर्षणकारिण्यै नमः।। 1 1 2 ।

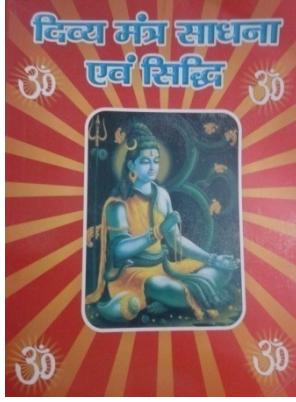
**फलश्रुति-** इति मे विष्णुना प्रोक्तं महास्तम्भकरं परम्। प्रातःकाले च  
मध्याह्ने संध्याकाले च पार्वती। एकचित्तः पठेदेतत्

सर्वसिद्धिर्भविष्यति। एकवारं पठेद् यस्तु सर्वपापक्षयो भवेत्॥ द्विवारं च पठेद् यस्तु विघ्नेश्वर समोभवेत्। त्रिवारं पठनाद् देवि सर्व सिध्यति सर्वथा॥ स्तवस्यास्य प्रभावेण साक्षाद्भवति सुब्रते। मोक्षार्थी लभते मोक्षं धनार्थी लभते धनम्॥ विद्यार्थी लभते विद्यां तर्कव्याकरणान्विताम्। महित्वं वत्सरान्ताच्च शत्रुहानिः प्रजायते॥ क्षोणीपतिवर्शस्तस्य स्मरणे सदृशो भवेत्। यः पठेत् सर्वदा भक्त्या श्रेयस्तु भवति प्रिये॥ गणाध्यक्षप्रतिनिधिः कविकाव्यपरो वरः। गोपनीयं प्रयत्नेन जननीजारवत् सदा॥ हेतुयुक्तो भवेन्नित्यं शक्तियुक्तः सदा भवेत्। यः इदं पठते नित्यं शिवेन सदृशो भवेत्॥ जीवन् धर्मार्थभोगी स्यान् मृतो मोक्षपतिर्भवेत्। सत्यं सत्यं महादेवि सत्यं सत्यं न संशयः॥ स्तवस्यास्य प्रभावेण देवेन सह मोदते। सुचित्ताश्च सुराः सर्वे स्तवराजस्य कीर्तनात्॥ पीताम्बरपरीधानां पीतगंधानुलेपनाम्। परमोदयकीर्तिः स्यात् स्मरतः सुरसुन्दरि॥

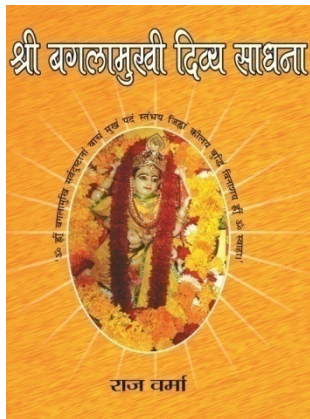
अन्त में बगला चालीसा, आरती एवं क्षमायाचना करते हुए भगवती का आशीर्वाद ग्रहण करना चाहिये।

## Books Written by Gurudev Shri Raj Verma ji

- Divya Mantra Sadhana Evam Siddhi



- Shri Baglamukhi Divya Sadhana



Shri Raj Verma ji  
Mob +91-9897507933,+91-7500292413  
Email - mahakalshakti@gmail.com